खास खबरें

अनोखे अंदाज़ में अंकल को दी श्रद्धांजलि, उनके कंकाल से बना डाला गिटार

कोई किसी से किस हद तक प्यार कर सकता है, इस बात का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है। हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिन्हें देखकर सभी हैरान है और यह सोच रहे हैं कि भला कोई किसी से इद कदर भी प्यार कैसे कर सकता है। दरअसल, फ्लोरिडा संगीतकार प्रिंस मिडनाइट की कुछ तस्वीरें इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। जिनमें लोग उन्हें और उनके गिटार को देखकर हैरान हैं और उनकी तस्वीरों और वीडियो को खूब शेयर कर रहे हैं। कई लोगों को तो प्रिंस के गिटार के पीछे की कहानी सुनकर विश्वास ही नहीं हो रहा है, सच्चाई जानने के बाद तो आप को भी इस कहानी पर भरोसा नहीं होगा। बता दें कि फ्लोरिडा के संगीतकार प्रिंस अपने अनोखे हेवी मेटल म्यूजिक स्टाइल के लिए काफी लोकप्रिय हैं। इस स्टाइल के कारण उन्हें जो लोकप्रियता मिली है उन सब के पीछे का श्रेय प्रिंस अपने अंकल को देते हैं। लेकिन, कुछ समय पहले उनके अंकल की मौत हो गई। जिससे प्रिंस बेहद दुखी हैं और उन्होंने अपने अकंल को अनोखे अंदाज में श्रद्धांजलि देने का फैसला किया। जिसके लिए प्रिंस मिडनाइट ने अपने अंकल के कंकाल से इलेक्ट्रिक गिटार बना डाला।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें प्रिंस उस गिटार को बड़ी आसानी से बजाते नजर आ रहे हैं। गिटार के लिए प्रिंस ने कंकाल को बेस के रूप में इस्तेमाल किया जिसमें स्ट्रिंग, वॉल्यूम नॉब, गिटार नेक, जैक, पिकअप और इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड लगा हुआ है। प्रिंस ने इस गिटार की कई तस्वीरें भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं, जो काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। प्रिंस का कहना है कि मैंने अंकल के कंकाल से गिटार बनाने का फैसला लिया था, लेकिन यह बेहद चुनौतीपूर्ण काम था। मैंने इस पर बहुत शोध किया और पता चला कि इससे पहले किसी ने कंकाल से गिटार नहीं बनाया। इसलिए मैंने यह करने का फैसला किया। मैंने इस काम के लिए दो अन्य लोगों से भी बातचीत की थी, लेकिन मेरी योजना सुनकर वे हैरान रह गए।

कोरोना संक्रमित हुई मां, छाती से निकलने लगा हरे रंग का दूध!

कोरोना वायरस से उपजी महामारी की वजह से जीवन में भी तमाम बदलाव आ रहे हैं, लेकिन मैक्सिको में एक 4 महीने की बच्ची की मां ने दावा किया कि कोरोना संक्रमित होने के बाद उसके दूध का रंग बदल गया।

मैक्सिको के मॉनटेरी में रहने वाली एना कॉर्टेज (23) ने शिकायत की कि कोरोना वायरस से संक्रमण के समय उनके दूध का रंग बदलकर सफेद से हरा हो गया। कॉर्टेज ने इस पर हैरानी जताई और डॉक्टरों से संपर्क साधा।

कॉर्टेज ने ये भी बताया कि जब वो कोरोना निगेटिव हुईं, तो उनके दूध का रंग फिर से सामान्य सफेद हो गया। उनकी डॉक्टर ने बताया कि ऐसा डाइट में बदलाव और इंसानी इम्यून सिस्टम के चलते हुआ।

डेलीमेल में छपी खबर के मुताबिक विशेषज्ञों ने बाद में इस बात को साफ किया कि ऐसा कभी-कभी हो सकता है। खासकर जब डाइट में बदलाव हो, या बच्चा बीमार हो। क्योंकि मां का दूध पी रहे बच्चे को भी कोई तकलीफ होती है, तो उससे बचाने के लिए मां के शरीर का इम्यून सिस्टम खुद को बदलता है और दूध में एंटीबॉडीज की मात्रा बढ़ जाती है। ताकि बच्चा जल्दी स्वस्थ हो सके।

एना कॉर्टेज साइकोलॉजी की पढ़ाई कर रही हैं और अंग्रेजी की शिक्षिका भी हैं। उन्होंने कहा कि जब वो कोरोना संक्रमित हुईं, उससे चार दिन पहले तक दूध का रंग नहीं बदला था। लेकिन जैसे ही उनका बच्चा और परिवार कोरोना की चपेट में आए, तुरंत ही दूध का रंग बदल गया। ऐसे में आम लोगों के लिए तो ये हैरानी वाली ही है कि जैसे ही मां-बेटी कोरोना मुक्त हुईं, दूध फिर से सफेद हो गया।

अंतरिक्ष के बरमूडा त्रिकोण से स्पेस स्टेशन पर संकट

पल में गायब हो जाती हैं सैटलाइट

धरती पर बरमूडा ट्रायएंगल का रहस्य आज तक सुलझ नहीं सका है और अंतरिक्ष में ऐसा ही क्षेत्र वैज्ञानिकों की परेशानी का कारण बनता जा रहा है। इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन जब इस इलाके से गुजरता है तो उसके कंप्यूटर सिस्टम पर क्रैश होने का खतरा पैदा हो जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि यहां हो क्या रहा है। हालांकि, यह बरमूडा की तरह अनसुलझी गुत्थी नहीं है और वैज्ञानिकों को इसके पीछे की वजह साफ-साफ पता है। चिंता की बात यह है कि यह खतरा बढ़ता जा रहा है और इसे कम करना इंसानों के हाथ में नहीं। हां, इसका सामना करने के लिए कोशिशें की जा रही हैं।

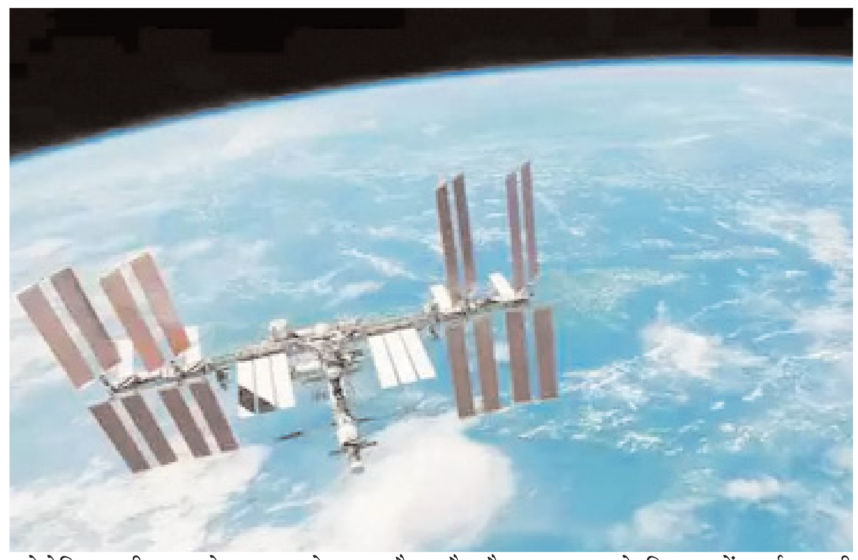

स्पेस में चल क्या रहा है

दरअसल, धरती की मैग्नेटिक फील्ड दक्षिण अमेरिका और दक्षिण अटलांटिक महासागर के बीच कमजोर हो जाती है और इसका असर धरती पर नहीं दिखता लेकिन सैटलाइट्स को इससे गुजरना पड़ता है। यहां आते ही इनका संपर्क धरती से टूट जाता है और मानो ये गायब हो जाती हैं। इस इलाके को दक्षिण अटलांटिक अनोमली कहते हैं। इसे स्पेस का बरमूडा ट्रायएंगल कहते हैं लेकिन धरती की मैग्नेटिक फील्ड के कमजोर होने से सैटलाइट्स पर असर पड़ता क्यों है

क्यों होता है खतरा

मैग्नेटिक फील्ड धरती के सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। यह सूरज से आने वाले खतरनाक और नुकसानदायक सोलर रेडिएशन को रोकती है। इस वजह से जहां मैग्नेटिक फील्ड कम होती है वहां सूरज की किरणें रुक नहीं पाती हैं। ये किरणें धरती की सतह के 124 मील करीब तक आ सकती हैं जहां लोअर अर्थ ऑर्बिट में प्रोब्स होते हैं। इनमें लगे उपकरणों को रेडिशन की वजह से नुकसान हो सकता है। इस खतरे को देखते हुए इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन और उसमें रहने वाले ऐस्ट्रोनॉट्स को बचाने के कदम उठाए गए हैं।

बचने के लिए की गई तैयारी

क्रू की गैलरी और स्लीपिंग क्वॉर्टर में शील्डिंग बढ़ाई गई है। यही नहीं, उन्हें डोसीमीटर भी पहनाए जाते हैं। यह ऐसी डिवाइस होती है जो उन पर पड़ने वाले रेडिएशन को नापती है और खतरनाक स्तर पर पहुंचने पर वॉर्निंग भी जारी करती है। हबल टेलिस्कोप जैसे उपकरणों में इस क्षेत्र से गुजरने पर रेडिएशन का जोखिम झेलने वाले ऑपरेशन्स को बंद कर सेफ मोड में कर दिया जाता है। रेडिएशन से होने वाला नुकसान काफी महंगा भी पड़ सकता है जैसा जापान की हिटोमी सैटलाइट के साथ हुआ था जो क्रैश हो गई थी। इस क्षेत्र से गुजरने पर संपर्क टूट जाता है और इस वजह से सिस्टम में आई खराबी को ठीक नहीं किया जा सका था और सैटलाइट से हाथ धोना पड़ा था।

बढ़ता जा रहा यह क्षेत्र

चिंता की बात यह है कि यह क्षेत्र फैलता जा रहा है और पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। माना जा रहा है कि आने वाले पांच साल में यह 2019 की तुलना में 10 प्रतिशत ज्यादा फैल चुका होगा। पिछले कुछ सालों से वशिषज्ञों के रेडार पर चुंबकीय क्षेत्र में आई कमी थी। पिछले 200 सालों में चुंबकीय क्षेत्र की तीव्रता में 9 प्रतिशत की कमी आई है। इस बीच अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के बीच काफी बड़े हिस्से में हाल ही में चुंबकीय क्षेत्र में ज्यादा कमी आई है। वैज्ञानिकों ने कहा कि ध्रुवों में बदलाव अचानक से नहीं हो जाता है और यह धीरे-धीरे होता है। यह बदलाव हरेक 2,50,000 साल में होता है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से नौ गुना बड़ा उल्कापिंड पृथ्वी के पास से गुजरेगा

विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से 9 गुना बड़ा एक उल्कापिंड मार्च में पृथ्वी के बेहद करीब से गुजरने जा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) ने इसे खतरे की संभावना वाला उल्कापिंड करार दिया है। इसकी खोज 2001 में की गई थी जिसे 231937 नाम दिया गया था।

21 मार्च को होगा पृथ्वी के सबसे निकट: हालांकि यह उल्कापिंड पृथ्वी से नहीं टकराएगा, बल्कि करीब 12 लाख किलोमीटर दूर से गुजरेगा। यह दूरी चंद्रमा और पृथ्वी की दूरी से 5 गुना है लेकिन कई भावी खतरों की आशंका अलग-अलग देशों के वैज्ञानिक जता रहे हैं। उनके अनुसार, यह भविष्य में सौरमंडल के किसी ग्रह से टकरा सकता है। नासा के अनुसार, 500 मीटर से अधिक आकार और पृथ्वी से 75 लाख किलोमीटर से कम दूरी से गुजरने वाले एस्टेरॉयड हमारी धरती पर जीवन के लिए खतरे की संभावना रखते हैं।

अपर्चर दूरबीन से देखना संभव : एस्टेरॉयड को 8 इंच की अपर्चर क्षमता वाली दूरबीन से देखा जा सकेगा। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह दक्षिण क्षितिज पर सूर्यास्त के बाद नजर आएगा।

सूर्य का चक्कर लगाने वाले यह चट्टानी उल्कापिंड आमतौर पर हमारे सौरमंडल में मंगल और बृहस्पति ग्रहों के बीच में पाए जाते हैं। इनका जन्म सौरमंडल के साथ हुआ था। इनमें से कई पृथ्वी के निकट से भी अक्सर गुजरते हैं। कुछ छोटे एस्टेरॉयड तो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच से भी निकल जाते हैं। इस दौरान उनसे छूटकर कुछ हिस्से पृथ्वी के वातावरण में चले आते हैं और तेज गति की वजह से भस्म हो जाते हैं।

वैज्ञानिकों के अध्ययन के अनुसार, अब तक ज्ञात खतरे की संभावना वाला एस्टेरॉयड्स में से कोई भी कम से कम अगले 100 साल तक पृथ्वी से नहीं टकराएंगे। साल 2185 में एस्टेरॉयड 410777 पृथ्वी से टकरा सकता है, लेकिन इसकी संभावना भी 714 में से एक है। बीते 6.6 करोड़ साल में ऐसा कोई पिंड धरती से नहीं टकराया है जो जीवन को तबाह कर सके।

हाथियों ने दिनदहाड़े की गन्ने से भरे ट्रक में चोरी

हाथी को कभी चोरी करते हुए देखा है आपने अगर नहीं तो ये वीडियो देख आप भी बौरा जाएंगे। ये वीडियो सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। शेर ने पुराने ट्रेनर को कूदकर लगाया गले, कई मिनट चूमता रहा। इस मजेदार वीडियो में हाथी गन्ना चुरा रहे हैं और बड़ी मस्ती से इसे खा भी रहे हैं।

वीडियो में दिखता है कि सड़क पर कुछ ट्रक रेड लाइट पर खड़े हैं। इनमें हाथी लादे गए हैं। साथ में ही एक गन्ने से भरा ट्रक आकर रुकता है। गाने पर वेटर का बवाल डांस, उड़ा दिया गरदागन्ना देखते ही हाथी उसमें से गन्ना निकाल-निकालकर खाना शुरू कर देते हैं। यही नहीं वे गन्ना इतनी आसानी और चुपचाप निकाल रहे हैं कि किसी को भी हंसी आ जाए।

ये सब और हैरान तब करता है जब ये दिन में हो रहा हो। गन्ना वाले ट्रक के ड्राइवर को पता ही नहीं चलता कि उसके ट्रक में ये सब हो रहा है।

यूजर्स न केवल इसे पसंद कर रहे हैं बल्कि इस पर मजेदार कमेंट्स भी दे रहे हैं। हो भी क्यों ना, इस तरह के मजेदार वीडियो रोज-रोज कहां पोस्ट किए जाते हैं।

पेड़ में फंस गया था गाय का गला, लोगों ने बचाया तो कर दिया अटैक

सोशल मीडिया पर एक गाय का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको देखकर आप भी हंस-हंसकर लोट-पोट हो जाएंगे। गाय का गला पेड़ में फंस गया, तो लोग उसको बचाने के लिए आ गए। उसके बाद गाय ने उन पर ही अटैक कर दिया. सोशल मीडिया पर एक गाय का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको देखकर आप भी हंस-हंसकर लोट-पोट हो जाएंगे. अक्सर देखा जाता है कि जानवर किसी परेशानी में होता है तो लोग उसकी मदद के लिए आगे आते हैं। ठीक ऐसा ही हुआ, जब गाय का गला पेड़ में फंस गया, तो लोग उसको बचाने के लिए आ गए। लेकिन जैसे ही गाय बाहर निकली, तो उसने लोगों पर ही अटैक कर दिया। इस वीडियो को आईएएस ऑफिसर अवनीष शरण ने ट्विटर पर शेयर किया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि दो पेड़ के बीच में गाय का गला फंस गया था।

ऐसी कड़कड़ाती सर्दी कि बर्फ में जम गई पैंट, तस्वीरें देखकर नहीं रोक पाएंगे हंसी

सर्दियों के इस मौसम में दुनियाभर की कई जगहों पर ठंड अपने पीक पर है। सोशल मीडिया पर भी सर्दियों के पकवान, बर्फबारी की तस्वीरें जमकर शेयर की जा रही हैं। कई जगहों पर पूरा इलाका बर्फ की चादर से ढंका हुआ है जिस कारण लोगों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ जगहों पर तापमान इतना कम है कि पानी तो छोड़ो खाने के सामान भी जमने लगे हैं। लेकिन क्या आपने कभी जींस को बर्फ में जमते देखा है। इंटरनेट पर ऐसी कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

आपने सर्दी के दिनों में पानी, झील, नदी, झरने के जमने की खबर जरूर सुनी होगी। लेकिन क्या कभी ये सुना है कि जो जींस हम पहनते हैं वो भी जम गई। जी हां, ये कोई मजाक नहीं है बिल्कुल सच है। ऐसा हुआ है अमेरिका के शिकागो में जहां पैंट भी बर्फ में जम गई। ऐसे में एक यूजर ने ट्विटर पर एक फोटो शेयर करते हुए दिखाया कि उसके यहां इतनी ठंड है कि पैंट भी जम गए हैं। लोगों को ये तस्वीरें देखकर अपनी आंखों पर भरोसा नहीं हो रहा है लेकिन अमेरिका के शिकागो में ऐसा हुआ है जहां लोगों की पैंट भी सर्दी का शिकार हो गई है। सड़क पर जमी पैंट ऐसी दिख रही है कि जैसे उसे कोई पहनकर खड़ा है।

डायबिटीज की इस दवा से मोटापा होगा कम, नई स्टडी का दावा

नई दिल्ली

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों की मानें तो मोटापे की समस्या किसी महामारी की तरह दुनियाभर में तेजी से फैल रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि हर साल ओवरवेट या मोटापे से जुड़ी समस्याओं के कारण करीब 28 लाख लोगों की मौत हो जाती है। 25 या इससे अधिक बीएमआई को ओवरवेट और 30 या उससे अधिक बीएमआई को मोटापे की कैटिगरी में रखा है। लेकिन मोटापे की समस्या का सामना कर रहे लोगों के लिए अब एक अच्छी खबर आयी है।

द न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक नई स्टडी की मानें तो सेमाग्लूटाइड नाम की डायबिटीज की एक दवा है जिसका सेवन करने से ओवरवेट और मोटापे से ग्रस्त लोगों को 16 महीने की अवधि में औसतन करीब 15 प्रतिशत तक बॉडी वेट कम करने में मदद मिली। यह दवा इंजेक्शन के रूप में है जिसका एक शॉट हफ्ते में एक बार लेना था। इस दवा की मदद से शरीर में इंसुलिन का उत्पादन बढ़ता है और भूख को दबाने में भी मदद मिलती है। अमेरिका का फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन फिलहाल इस दवा को रिव्यू कर रहा है और अगर इसे अप्रूवल मिल जाता है तो यह अमेरिकी मार्केट में मिलने वाली वेट लॉस की पांचवीं दवा होगी। इस स्टडी में 16 देशों के 2 हजार लोगों को शामिल किया गया था। इसमें से दवा का सेवन करने वाले करीब 70 प्रतिशत लोगों में 10 प्रतिशत से भी अधिक बॉडी वेट में कमी देखने को मिली। मौजूदा समय में सेमाग्लूटाइड नाम की यह दवा डायबिटीज के इलाज में इस्तेमाल होती है जो भूख को दबाने में मदद करती है और कैलोरी इनटेक को भी कम करती है।

आपका राशिफल 17 फरवरी

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

स्पेशल खबर.. *न्यूरालिंक कंपनी अब तक 19 तरह के जानवरों पर इस खास चिप की टेस्टिंग कर चुकी....*

इंसानी दिमाग में बदलाव करने जा रहे एलन मस्क, तबाही की तरफ जाएगी दुनिया!

एलन मस्क को धरती पर सबसे ज्यादा महत्वाकांक्षी व्यक्ति के तौर पर जाना जाता है। वो पहले ही कई नामुमकिन माने जा चुके कामों में न सिर्फ जुटे हैं, कई कर के दिखा भी चुके हैं। चाहे अंतरिक्ष यात्रा पर सिर्फ घूमने जाने की बात हो, या बिजली से चलने वाली सुपर कार, मंगल पर भी वो इंसानी बस्तियां बसाने में जुटे हैं, तो ट्यूब रेल जैसे प्रोजेक्ट भी वो चला रहे हैं। ऐसे में वो अब एक ऐसे काम में जुट गए हैं, जिसके जरिए इंसान के दिमाग पर काबू पाया जा सकता है और उसे कंप्यूटर के माध्यम से भी खास कमांड दिया जा सकता है। हालांकि मस्क की कंपनी न्यूरालिंक के प्रयोग साइंस को मेडिकल से जोड़ने के लिए हैं, जिससे अल्जाइमर, डिमेंशिया, रीढ़ की हड्डी टूटने से अपंग हो चुके लोगों की जिंदगियों के लिए भी नई उम्मीद जगी है।

न्यूरालिंक सालों से जानवरों पर न्यूरल इंटरफेस की टेस्टिंग कर रही है। पिछले साल जारी एक वीडियो में न्यूरालिंक ने गएक सुअर पर इस चिप की टेस्टिंग भी की थी। उस वीडियो में न्यूरालिंक ने सुअर के दिमाग में लगाई गई एक वायर्ड चिप के आधार पर रिकॉर्ड करने और एक्शन की भविष्यवाणी करने की अपनी क्षमता को दिखाया था। अब मस्क की कंपनी अपने प्रयोग इंसानों के ऊपर करने जा रही है। एलन मस्क की ह्यूमन कंप्यूटर इंटरफेस कंपनी न्यूरालिंक माइंड रीडिंग चिप बालों की तुलना में भी 10 गुना छोटे होंगे। इनका इस्तेमाल ब्रेन सर्जरी जैसे जटिल कामों में किया जाएगा। अभी ये खोज शुरुआती स्तर पर है, लेकिन इसे इंसानी दिमाग को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

न्यूरालिंक कंपनी अबतक 19 तरह के जानवरों पर इस खास चिप की टेस्टिंग कर चुकी है। कंपनी ने कहा है कि उनकी टेस्टिंग की सफलता दर 87 फीसदी है। हालांकि इसे इंसानी दिमाग के साथ जोड़ना अभी नामुमकिन माना जा रहा है, लेकिन एलन मस्क नामुमकिन कामों को मुमकिन बनाने के लिए जाने जाते हैं।

हर वैज्ञानिक खोज के दो पहलू होते हैं। किसी भी ताकत का गलत इस्तेमाल कभी भी हो सकता है। ऐसे में इस प्रोजेक्ट को लेकर भी ऐसे सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि अगर किसी इंसानी दिमाग से छेड़छाड़ होती है और उसे कोई काम करने के लिए कंप्यूटर के जरिए कमांड दिया जाता है, तो वो इंसान किसी भी काम में इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे में इस तरफ भी ध्यान देने की जरूरत होगी। बहरहाल, अभी ये प्रोजेक्ट शुरुआती दौर में है।